Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 22-03-2005

Participants : Nahata Smt. P. Jaya Prada

>

Title: Need to formulate labour intensive economic and industrial policies for enabling all-round development of the country. – Laid.

श्रीमती जयाप्रदा (रामपुर) : अध्यक्ष महोदय, भारत गांवों का देश है किंतु, देश का गांव बदहाल अवस्था में पड़ा है। देश में उपभोग व्यय का 60 फीसदी गांवों में हो रहा है, सुनकर आश्चर्य और खुशी भी होगी। परन्तु, प्रति व्यक्ति व्यय उपभोग व्यय पर नजर पड़ेगी तो अवस्था विपरीत हो जायेगी। गांवों में प्रति व्यक्ति उपयोग राट्रीय स्तर पर 986 रूपया है जबकि शहरों में यह राशि 855 रूपया। स्पट है आज देश के गांव की हालत क्या है। देश में आर्थिक सुधारों की बात करते हुए दशक से अधिक समय बीता गया परन्तु आज भी सरकार का प्रतिनिधि निर्यात को विकास के लिए आधार बनाना चाहता है तो दूसरा पूंजी निवेश को आर्थिक विकास के लिए आवश्यक मान रहा है। इसी दुविधा की स्थिति के कारण देश का आम आदमी लाभांवित नहीं हो रहा है। वास्तविकता तो यह है कि देश में विकास का आधार श्रम प्रधान तकनीकी का उपयोग ही हो सकता है। उद्योग बढ़े, सेवा क्षेत्रों का विस्तार हो, खेती की बढ़ोत्तरी हो यह सही है पर देश के हर नागरिक को काम मिले यह सबसे पहली प्राथमिकता है। वर्तमान सरकार को समर्थन करने वाले लोग भी विदेशी पूंजी निवेश का विरोध करते हैं क्योंकि वे जानते हैं कि यह पूंजी निवेश देश के विकास के लिए आधार नहीं हो सकता। क्योंकि यह विदेशी पूंजी हर हाथ को काम देने की हालात नहीं पैदा करती है और विदेशी पूंजी की स्वीकृति के लिए शर्त हो कि वह श्रम प्रधान तकनीकी के उपयोग में लगेगी तो मैं समझती हूं देश में विदेशी पूंजी निवेश का विरोध नहीं होगा। अतः मेरा सरकार से आग्रह है कि वर्तमान आर्थिक और औद्योगिक नीति में परिवर्तन कर, इसे श्रम आधारित बनाया जाये, जिससे देश के हर हाथ को काम उपलब्ध हो सके।